sns academy
a fingerprint school
*Sincerity, Nobility and Service*

**Work sheet- 1 May-2019**

**Hindi ( Grammar )**

**Grade: IX**

**प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गये प्रश्नों का उत्तर दीजिए।**

वास्तव में मनुष्य स्वयं को देख नहीं पाता। उसके नेत्र दूसरों के चरित्र को देखते हैं, उसका हृदय दूसरों के दोषों को अनुभव करता है। उसकी वाणी दूसरों के अवगुणों का विश्लेषण कर सकती है, किन्तु उसका अपना चरित्र, उसके अपने दोष एवं उसके अवगुण, मिथ्याभिमान और थोथे आत्म-गौरव के काले आवरण में इस प्रकार प्रच्छन्न रहते हैं कि जीवन-पर्यन्त उसे दृष्टिगोचर ही नहीं हो पाते। इसीलिए मनुष्य स्वयं को सर्वगुण-संपन्न देवता समझ बैठता है। क्षुद्र व्यक्ति एवं मस्तिष्क अपनी क्षुद्र सीमा से परे किसी भी वस्तु का सही मूल्य आँकने में असमर्थ रहते हैं। इसलिए व्यक्ति स्वंम के द्वारा जितना छला जाता है, उतना किसी अन्य के द्वारा नहीं। आत्म- विश्लेषण करना कोई सहज कार्य नहीं। इसके लिए अत्यन्त उदारता, सहनशीलता एवं महानता की आवश्यकता होती है। इसका तात्पर्य यह नहीं कि आत्म- विश्लेषण मनुष्य कर ही नहीं सकता। अपने गुणों- अवगुणों की अनुभूति मनुष्य को सदैव रहती है। अपने दोषों से वह हर पल, हर क्षण अवगत रहता है, किंतु अपने दोषों को मानने के लिए तैयार न रहना ही उसकी दुर्बलता होती है और यही उसे आत्म- विश्लेषण की क्षमता नहीं दे पाती। उसमें इतनी उदारता और हृदय की विशालता ही नहीं होती कि वह अपने दोषों को स्वयं देखकर कह सके। इसके विपरीत पर-निंदा एवं पर-दोष-दर्शन में अपना कुछ नहीं बिगड़ता, उल्टे मनुष्य आनन्द अनुभव करता है,परन्तु

आत्मविश्लेषण करके अपने दोष देखने से मनुष्य के अहंकार को चोट पहुँचती है।

क) मनुष्य स्वयं को क्यों नहीं देख पाता ?

_____

_____

ख) मनुष्य स्वयं को सर्वगुण-संपन्न देवता क्यों समझता है ?

_____

_____

ग) आत्मविश्लेषण के लिए क्या आवश्यक है ?

_____

_____

घ) पर-निंदा क्यों सरल है ?

_____

_____

ड.) पर-निंदा में मानव इतना आनन्द क्यों लेता है ?

_____

_____

च) इस गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

_____

छ) 'वास्तव में मनुष्य स्वयं को देख नहीं पाता'- इसे मिश्र वाक्य में बदलिए।

_____

**प्र.2. वर्ण- विच्छेद कीजिए।**

1. प्राणी- _____
2. प्रतिज्ञा- _____
3. सौभाग्य- _____
4. संदिग्ध- _____
5. ऐच्छिक- _____
6. श्रीमती- _____
7. डंडा - _____
8. द्क्षिणा - _____
9. श्रगार - _____
10. प्रात: - _____

**प्र.3** निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार और अनुनासिक चिह्नों का उचित प्रयोग करें

1. पाचवा _____ 3. वेदात _____ 5. परिभाषाए _____
2. कुए _____ 4. प्रेमचद _____ 6. ककण _____